›

**महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय**

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र – 442 001
फोन / फैक्स नं. : 07152&247146 वेब साईट : **www.hindivishwa.org**

# एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम
# सत्र 2016-18
# पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी – 010

## प्रथम सेमेस्टर

## सत्रीय कार्य

**निर्देश-पुस्तिका**

| क्रमांक | सत्रीय कार्य कोड | किसे भेजें | सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र के पते पर सत्रीय कार्य पहुँचने की निर्धारित अंतिम दिनांक |
|---|---|---|---|
| 01. | एम ए एच डी – 01 | सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र के पते पर | दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा घोषित सूचनानुसार |
| 02. | एम ए एच डी – 02 | | |
| 03. | एम ए एच डी – 03 | | |
| 04. | एम ए एच डी – 04 | | |
| 05. | एम ए एच डी – 05 | | |
| 06. | एम ए एच डी – 06 | | |

- **अध्ययन केन्द्र पर पंजीकृत विद्यार्थी अपने-अपने सत्रीय कार्य अध्ययन केन्द्र पर ही जमा कराएँ। ऐसे विद्यार्थियों के सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र पर ही किया जाएगा।**

**पुरन्दरदास**
**पाठ्यक्रम संयोजक**

दिनांक : 20 फरवरी, 2017

**दूर शिक्षा निदेशालय**
**एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र 2016-18, प्रथम सेमेस्टर**

**सत्रीय कार्य**
**दिशा-निर्देश**

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : 2016-18, प्रथम सेमेस्टर की 06 पाठ्यचर्याओं में से विद्यार्थी को प्रथम 04 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं तथा पंचम (वैकल्पिक) पाठ्यचर्याओं के निर्धारित 02 विकल्पों में से किसी 01 पाठ्यचर्या का चयन करना है। विद्यार्थी को प्रथम 04 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं तथा पंचम वैकल्पिक पाठ्यचर्या (विद्यार्थी द्वारा चयनित) में प्रत्येक में 01 – 01 अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) सम्पूर्ण कर जमा कराना अनिवार्य है। इस प्रकार विद्यार्थी को प्रथम सेमेस्टर में कुल 05 सत्रीय कार्य संपन्न कर जमा कराने हैं।

सत्रांत परीक्षा में विद्यार्थी को उसी पाठ्यचर्या का प्रश्नपत्र हल करने के लिए दिया जाएगा जिस वैकल्पिक पाठ्यचर्या का चयन विद्यार्थी द्वारा सत्रीय कार्य हेतु पंचम पाठ्यचर्या के लिए किया जाएगा। विद्यार्थियों से आग्रह है कि वे परीक्षा आवेदन पत्र में अपने द्वारा पंचम पाठ्यचर्या के लिए चयनित वैकल्पिक पाठयचर्या का क्रमांक, शीर्षक एवं कोड स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करें। यथा - **लोक-साहित्य** पाठ्यचर्या के लिए विकल्प – 02, पाठ्यचर्या का शीर्षक – लोक-साहित्य, पाठ्यचर्या कोड – MAHD – 06 लिखिए।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में विद्यार्थी को कुल 06 प्रश्नों के विश्लेषणात्मक उत्तर लिखने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 05 हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 शब्दों में लिखना है।

पूर्ण किये गए सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन हेतु निर्धारित अंतिम दिनांक से पूर्व सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र पर जमा कराएँ तथा उनकी एक छायाप्रति अपने पास अनिवार्यतः सुरक्षित रखें।

**सत्रीय कार्य का उद्देश्य :-**

सत्रीय कार्य का उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थी को उपलब्ध कराई गई पाठ्य-सामग्री को विद्यार्थी की हस्तलिपि में पुनः प्राप्त करना नहीं है अपितु विद्यार्थी की अध्ययन-प्रवृत्ति में निरन्तरता बनाए रखने के साथ ही उसके द्वारा अब तक किए गए अध्ययन का मूल्यांकन करना है। विद्यार्थी ने पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों तथा सम्बन्धित पाठ्य-सामग्री को कितना पढ़ा-समझा है, उसका विवेचन-विश्लेषण करने की कितनी क्षमता अर्जित की है तथा सम्बन्धित पाठ्य के विषय में उसका अपना दृष्टिकोण कितना विकसित हुआ है ? - आदि उद्देश्यों को दृष्टि में रखने के साथ-साथ विद्यार्थी की लेखन-क्षमता का मूल्यांकन करना भी सत्रीय कार्य का लक्ष्य है। विद्यार्थियों को सत्रीय कार्यों में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखते समय उपर्युक्त उद्देश्यों को स्मरण रखना चाहिए तथा प्राप्त पाठ्य-सामग्री का पुनर्प्रस्तुतीकरण न करते हुए अध्ययनोपरान्त अपनी विकसित विचार-क्षमता के आधार पर ही उत्तर लिखने का प्रयास करना चाहिए। पूछे गए प्रश्न के उत्तर में विद्यार्थी का अध्ययन, उसकी आलोचनात्मक दृष्टि, पाठ्य के विषय में उसकी अपनी समझ आदि के साथ ही भाषा एवं वर्तनी सम्बन्धी ज्ञान की अपेक्षा की जाती है। उपर्युक्त अपेक्षाओं को दृष्टि में रखकर ही विद्यार्थी द्वारा प्रेषित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन किया जाएगा।

**सत्रीय कार्य लेखन :-**

विद्यार्थी सत्रीय कार्य लिखने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें :-

01. योजना :- प्रथमतः सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों को पढ़कर उनका आशय समझ लीजिए । तदनन्तर सम्बन्धित पाठ्य-सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़िए । पूछे गए प्रश्नों से सम्बन्धित इकाइयों को मनोयोग से पढ़िए । निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों का गहन अध्ययन कीजिए । साथ ही, सुझाई गई सहायक पुस्तकों को भी रुचिपूर्वक पढ़िए । पढ़ते समय प्रत्येक उत्तर से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण तथ्य चिह्नित कर लीजिए और अंतिम प्रति तैयार करने से पूर्व उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लीजिए ।

02. संगठन कौशल :- अपने उत्तर को अंतिम रूप देने से पूर्व एक कच्ची रूपरेखा बना लीजिए, श्रेष्ठतम तथ्य संकलित करने का प्रयास कीजिए और उसके समुचित विवेचन-विश्लेषण हेतु चिन्तन कीजिए। उत्तर लिखते समय प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दीजिए। कृपया ध्यान रखिए कि पूछे गए प्रश्नों के उत्तर तर्कसंगत हों, वाक्य-विन्यास और वर्तनी संबंधी त्रुटियाँ न हों, अनुच्छेदों में परस्पर तारतम्यता हो तथा भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त संयोजन किया गया हो।

03. सत्रीय कार्य लेखन :- सत्रीय कार्य विद्यार्थी द्वारा स्वयं की हस्तलिपि में संपन्न किया जाना है। पूछे गए प्रश्नों की अंतिम प्रति स्वच्छ, स्पष्ट, पठनीय अक्षरों में लिखित, वर्तनी संबंधी दोषों से रहित, प्रारूपबद्ध और बिना काट-छाँट किए तथा भली प्रकार नत्थी/स्पाइरल बाईंडिंग की गई हो। आवश्यकता प्रतीत होने पर मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित किया जा सकता है। उत्तर-पुस्तिका में केवल नीले अथवा काले रंग की स्याही वाले पेन अथवा बालपेन का ही प्रयोग कीजिए। उत्तर-पुस्तिका में प्रश्नों के उत्तर पूछे गए प्रश्नों के क्रमानुसार ही लिखिए । किसी भी प्रश्न का उत्तर लिखना प्रारम्भ करने से पूर्व सम्बन्धित प्रश्न क्रमांक अवश्य लिखिए। प्रत्येक नए उत्तर का प्रारम्भ नए पृष्ठ से कीजिए। उत्तर-पुस्तिका हेतु A–4 साइज़ के कागज़ों का प्रयोग करें। कार्य सम्पन्नोपरान्त सभी कागज़ों को भली प्रकार नत्थी कर लीजिए। विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि अपनी उत्तर-पुस्तिका की सुरक्षित प्रस्तुति हेतु वे समस्त कागज़ों को स्पाइरल बाइंडिंग करा लें। विद्यार्थी अपनी सुविधानुसार गुणवत्तापूर्ण कागज़ के बड़े आकार के जिल्दबंद रजिस्टर में भी सत्रीय कार्य प्रस्तुत कर सकते हैं । सत्रीय कार्य के अंतिम पृष्ठ पर कुल पृष्ठ संख्या लिखकर अपने हस्ताक्षर कीजिए। सत्रीय कार्य की विद्यार्थी द्वारा स्वयं की हस्तलिपि में लिखित प्रति ही स्वीकार की जाएगी । आवश्यकता प्रतीत होने पर विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत सत्रीय कार्य में लिखित हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) तथा सत्रांत परीक्षा में विद्यार्थी द्वारा उत्तर-पुस्तिका में लिखित हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) का मिलान करवाया जाएगा । दोनों की हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) में भिन्नता पाए जाने पर ऐसे सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। सत्रीय कार्य की कंप्यूटर टंकित प्रति अस्वीकार्य है । कंप्यूटर टंकितसत्रीय कार्यों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

**सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण** :

सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए :--

01. सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ के प्रारूप हेतु परिशिष्ट क्रमांक - 01 देखिए।

02. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के शीर्षभाग पर सर्वोपरि दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा का नाम एवं पूर्ण पता लिखिए।

03. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर विश्वविद्यालय के नाम और पते के नीचे पाठ्यक्रम का नाम : एम.ए . हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : 2016-18, प्रथम सेमेस्टर, पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी, पाठ्यचर्या क्रमांक, पाठ्यचर्या का शीर्षक तथा सत्रीय कार्य कोड लिखिए।

04. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के मध्यभाग में अपना पूरा नाम (कृपया नाम के पूर्व श्रीमती/कुमारी/सुश्री/श्री/डॉ. न लिखें), अनुक्रमांक, नामांकन संख्या, पत्राचार पता (पिन कोड सहित) तथा मोबाइल नं. लिखिए।

05. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के निम्नभाग में सम्बन्धित अध्ययन केंद्र का नाम एवं पता लिखिए तथा स्थान एवं दिनांक अंकित करते हुए अपने हस्ताक्षर अवश्य कीजिए। अहस्ताक्षरित प्रति अस्वीकार्य है।

06. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका को जाँच हेतु सम्बन्धित अध्ययन केंद्र के पते पर जमा करा दीजिये। लिफ़ाफ़े के शीर्ष पर **सत्रीय कार्य, एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र 2016-18, प्रथम सेमेस्टर (एम ए एच डी)** अवश्य लिखिए।

**दूर शिक्षा निदेशालय**

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

**एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : 2016-18 , प्रथम सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र

सत्रीय कार्य कोड : **एम ए एच डी - 01** अधिकतम अंक : 30 %

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम पाठ्यचर्या (अनिवार्य)

पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 01

पाठ्यचर्या का शीर्षक : प्रारम्भिक हिन्दी काव्य

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 06 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम अंक 05 हैं।**

प्रश्न 01 :- प्रारम्भिक हिन्दी काव्य के साहित्यिक अवदान की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 02 :- "आदिकालीन मुक्तक काव्य नीति, शृंगार और सुभाषितपरक दोहों की त्रिवेणी है।" प्रमाण सहित व्याख्या कीजिए।

प्रश्न 03 :- 'पृथ्वीराज रासो' की प्रामाणिकता-अप्रामाणिकता में विद्वानों के बीच पर्याप्त मतभेद है। कुछ विद्वान् इसे प्रामाणिक कृति मानते हैं तो अन्य ने इसे अप्रामाणिक सिद्ध किया है। इन दोनों वर्गों से इतर कतिपय विद्वानों ने इसे अर्धप्रामाणिक घोषित किया है। पृथ्वीराज रासो को प्रामाणिक, अप्रामाणिक तथा अर्धप्रामाणिक मानने वाले विभिन्न विद्वानों के तर्कों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 04 :- 'कथानक रूढ़ि' का क्या आशय है ? 'पृथ्वीराज रासो' में वर्णित कथानक रूढ़ियों का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 05 :- "विद्यापति ने कृष्ण-कथा को मौलिक रूप दिया है।" उक्त कथन के संदर्भ में विद्यापति निरूपित 'राधा-कृष्ण प्रसंग' का वैशिष्ट्य रेखांकित कीजिए।

प्रश्न 06 :- 'पदावली' की भाषा एवं अलंकार-विधान की मीमांसा कीजिए।

प्रश्न 07 :- खड़ी बोली के विकास में खुसरो के योगदान की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 08 :- अमीर खुसरो की रचना 'खालिकबारी' की प्रामाणिकता की समस्या पर प्रकाश डालिए।

*****

**दूर शिक्षा निदेशालय**

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

**एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : 2016-18 , प्रथम सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र

सत्रीय कार्य कोड : **एम ए एच डी - 02** अधिकतम अंक : 30 %

प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)

पाठ्यचर्या कोड : MAHD - 02

पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी उपन्यास एवं कहानी

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 06 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम अंक 05 हैं।**

प्रश्न 01 :- ''गोदान कृषक जीवन की त्रासदी है।'' 'गोदान' उपन्यास में वर्णित कृषक जीवन की समस्याओं का उल्लेख करते हुए उक्त कथन के संदर्भ में युक्तियुक्तमत प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न 02 :- "संयोग नहीं वियोग शृंगारिक प्रेम की पराकाष्ठा है।" निपुणिका और भट्टिनी के संदर्भ में इस धारणा की तर्कसंगत विवेचना कीजिए।

प्रश्न 03 :- "घीसू और माधव शोषणकारी सामाजिक व्यवस्था की उपज हैं।" विषमतामूलक सामाजिक व्यवस्था के भयावह दुष्परिणामों आकलन करते हुए उक्त कथन की पुष्टि कीजिए।

प्रश्न 04 :- 'पत्नी' कहानी में निहित जैनेन्द्र की मनोवैज्ञानिक कथा-दृष्टि का उद्घाटन कीजिए।

प्रश्न 05 :- 'हीली-बोन की बत्तखें' कहानी की मूल संवेदना क्या है? स्त्री-यथार्थ के किन पक्षों पर इस कहानी में विचार किया गया है ? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 06 :- "'टूटना' स्त्री-पुरुष सम्बन्धों के विघटन की गाथा है।" इस कथन के आलोक में कहानी में अभिव्यक्त सम्बन्धों का विश्लेषण कीजिए।

प्रश्न 07 :- "'अमृतसर आ गया है...' कहानी में साम्प्रदायिकता की विभीषिका का यथार्थ चित्रण हुआ है।" सप्रमाण मूल्यांकन कीजिए।

प्रश्न 08 :- 'मलबे का मालिक' कहानी में आए संकेत कितने प्रभावी हैं ? क्या मोहन राकेश को संकेतों के माध्यम से निहितार्थ स्पष्ट करने में सफलता मिली है ? युक्तियुक्त उत्तर दीजिए।

*****

**दूर शिक्षा निदेशालय**

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

**एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : 2016-18 , प्रथम सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र

सत्रीय कार्य कोड : **एम ए एच डी - 03** अधिकतम अंक : 30 %

प्रथम सेमेस्टर

तृतीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)

पाठ्यचर्या कोड : MAHD - 03

पाठ्यचर्या का शीर्षक : भारतीय काव्यशास्त्र

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 06 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम अंक 05 हैं।**

प्रश्न 01 :-संस्कृत काव्यशास्त्रियों के अनुसार काव्य-लक्षण पर विचार कीजिए।

प्रश्न 02 :- व्यंजना शब्दशक्ति की परिभाषा देते हुए इसके भेड़ों का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 03 :- अलंकार को लेकर आचार्यों की क्या स्थापनाएँ रही हैं ? समझाकर लिखिए।

प्रश्न 04 :- वैदर्भी, गौड़ी और पांचाली रीतियों की आधारभूत विशेषताओं का परिचय दीजिए।

प्रश्न 05 :- वक्रोक्ति सिद्धान्त का अर्थ, परिभाषा और स्वरुप की विस्तार से चर्चा कीजिए।

प्रश्न 06 :- ध्वनि काव्य के भेद-प्रभेदों को उदाहरण सहित समझाइए।

प्रश्न 07 :- रस-निष्पत्ति के व्याख्याकारों के मतों की विस्तृत विवेचना कीजिए।

प्रश्न 08 :- “साधारणीकरण वह प्रक्रिया है जो रसास्वादन के पूर्व सहृदय के चित्त में घटित होती है।” विवेचना कीजिए।

*****

**दूर शिक्षा निदेशालय**

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

**एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : 2016-18 , प्रथम सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र

सत्रीय कार्य कोड : **एम ए एच डी - 04** अधिकतम अंक : 30 %

प्रथम सेमेस्टर

चतुर्थ पाठ्यचर्या (अनिवार्य)

पाठ्यचर्या कोड : MAHD - 04

पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी साहित्य का इतिहास – 1

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 06 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम अंक 05 हैं।**

प्रश्न 01 :- हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा के उल्लेख सहित उस परम्परा में रामचन्द्र शुक्ल के योगदान की श्रेष्ठता स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 02 :- आदिकाल के लिए विभिन्न विद्वानों द्वारा सुझाए गए नामों का उल्लेख करते हुए बताइए कि आपके अनुसार उनमें-से सर्वाधिक उपयुक्त नाम कौनसा है और क्यों ?

प्रश्न 03 :- सिद्ध-नाथ एवं जैनादि कवियों की मानववादी विचारधारा एवं साहित्यिक अवदानकी मीमांसा कीजिए।

प्रश्न 04 :- रासो काव्य हिंदी साहित्य की अमूल निधि हैं। इस कथन पर अपना विचार प्रकट कीजिए।

प्रश्न 05 :- भक्ति-आन्दोलन के उद्भव और विकास में साहित्येतिहासकारों के मतों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 06 :- भक्तिकाव्य के परिप्रेक्ष्य में निर्गुण और सगुण भक्ति के साम्य और वैषम्य को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 07 :- सन्त कवियों नें सभी प्रकार की संकीर्णताओं, बाहयचारों एवं रूढ़ियों का विरोध करते हुए मानवतावाद का सन्देश देकर सभी प्राणियों को एक समान धरातल पर प्रतिष्ठित करने का कार्य किया है। सन्त कवियों की सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 08 :- तुलसी के समाज-दर्शन का वर्णन करते हुए आज के सन्दर्भ में उसकी प्रासंगिकता का उल्लेख कीजिए।

*****

दूर शिक्षा निदेशालय

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

**एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : 2016-18 , प्रथम सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र

सत्रीय कार्य कोड : **एम ए एच डी - 05** अधिकतम अंक : 30 %

प्रथम सेमेस्टर
पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)
विकल्प – 01
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 05
पाठ्यचर्या का शीर्षक : प्रयोजनमूलक हिन्दी

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 06 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम अंक 05 हैं।**

प्रश्न 01 :- प्रयोजनमूलक हिन्दी से क्या आशय है ? प्रयोजनमूलक हिन्दी का संरचनात्मक वैशिष्ट्य निरूपित करते हुए उसकी सीमाओं एवं संभावनाओं पर विचार कीजिए।

प्रश्न 02 :- संविधान में राजभाषा सम्बन्धी प्रावधानों का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 03 :- राजभाषा नीति की आवश्यकता एवं महत्त्व को प्रतिपादित करते हुए भारत की राजभाषा नीति व कार्यान्वयन की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 04 :- राजभाषा कार्मिकों की नियुक्ति प्रक्रिया को विस्तार से समझाते हुए उनकी प्रशिक्षण प्रणाली का परीक्षण कीजिए।

प्रश्न 05 :- राजभाषा सम्बन्धी वार्षिक वित्त प्रबन्धन की महत्त्वपूर्ण चुनौतियों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 06 :- राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए भारत सरकार द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

प्रश्न 07 :- स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा को स्पष्ट करते हुए अनुवाद प्रक्रिया के सैद्धान्तिक स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 08 :- अनुवाद कार्य एवं प्रक्रिया में अनुवादक को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है ? आधारभूत चुनौतियों की चर्चा कीजिए।

*****

दूर शिक्षा निदेशालय

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

**एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : 2016-18 , प्रथम सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र

सत्रीय कार्य कोड : **एम ए एच डी - 06** अधिकतम अंक : 30 %

प्रथम सेमेस्टर

पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)

विकल्प – 02

पाठ्यचर्या कोड : MAHD - 06

पाठ्यचर्या का शीर्षक : लोक-साहित्य

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 06 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम अंक 05 हैं।**

प्रश्न 01 :- लोक-साहित्य के संकलन-संग्रह की आवश्यकता, महत्त्व एवं लोक-साहित्य-संग्रह की कठिनाइयाँ रेखांकित कीजिए।

प्रश्न 02 :- विभिन्न प्रकार के लोक गीतों का परिचय देते हुए लोक गीतों का सामाजिक महत्त्व उद्घाटित कीजिए।

प्रश्न 03:- भारत के प्रसिद्ध लोक नाट्यों का परिचय देते हुए हिन्दी नाटक और रंगमंच पर लोकनाट्यों का प्रभावसिद्ध कीजिए।

प्रश्न 04 :- लोक नृत्यों की प्रस्तुति को प्रभावित करने वाले कारकों का खुलासा करते हुए लोक नृत्यों की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 05 :- डॉ. सत्येन्द्र ने लोकोत्सवों को ऋतु परक, धर्मसम्बन्धी, वीरपूजा सम्बन्धी तथा निर्माण एवं उत्पादन सम्बन्धी वर्गों में वर्गीकृत किया है। उक्त वर्गों में विभक्त करते हुए प्रमुख लोकोत्सवों पर सारगर्भित टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 06 :- प्रकीर्ण साहित्य में स्वीकार्य विविध विधाओं में आपको कौनसी विधा प्रिय है ? कारण और उदाहरण सहित अपना मत प्रकट कीजिए।

प्रश्न 07 :- भारत में प्रचलित विविध लोक कलाओं का परिचय देते हुए उनमें निहित सौन्दर्य और मांगलिक भावनाओं की परख कीजिए।

प्रश्न 08 :- लोक-साहित्य संकलन-संग्रह-प्रेरणा देने वाले एवं लोक-साहित्य अनुसंधान के अग्रणी विद्वानों का अवदान निरूपित कीजिए।

*****

सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ का प्रारूप

---


**महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय**

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र – 442 001

फोन / फैक्स नं. : 07152&247146 वेब साईट : www.hindivishwa.org


---

**एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम**

**सत्र 2016-18**

**पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी – 010**

**प्रथम सेमेस्टर**

---

सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका

सत्रीय कार्य कोड :

पाठ्यचर्या क्रमांक :

पाठ्यचर्या कोड :

पाठ्यचर्या का शीर्षक :

---

विद्यार्थी का नाम :

अनुक्रमांक :

नामांकन संख्या :

पत्राचार पता :

मोबाइल नं. :

ई-मेल :

---

सम्बन्धित अध्ययन केंद्र का नाम एवं पता :

दिनांक :

स्थान :

विद्यार्थी के हस्ताक्षर :

---